

संपादकीय

मुश्किल कामयाबी के बावजूद सोच बदलने की चुनौती

भारतीय महिला खिलाड़ियों की रिले रेस में स्वर्णिम जीत गौरवान्वित करती है जो उन्होंने कड़े संघर्ष व डेरों मुश्किलों के बावजूद हासिल की। ऐसे में, उनके प्रति घिसी-पिटी सोच का क्या मतलब? दरअसल, उनकी चुनौतियाँ आज भी सुरक्षा, भेदभाव और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में कायम हैं। जब आप कमतर आँकी गई अपनी महिला धावकों को रेस ट्रैक पर सबसे श्रेष्ठ धावकों से आगे निकलते हुए देखते हैं – जैसा कि पिछले सप्ताह आइची-नागोया एशियाई खेलों में 4×400 मीटर फ़इनल में कोयंबटूर की विष्णु रामराज ने किया, पहले चीनी और फिर बहरीनी धावक को

“ जहां एक ओर ये लड़कियां पिछले हफ़्ते की शुरुआत में आइची-नागोया में अपनी ज़िंदगी के लिए दौड़ रही थीं वहीं भारत की दूसरी बेटियां दिल्ली की सड़कों पर एक पार्क में हुए सामूहिक-बलात्कार के खिलाफ़ विरोध कर रही थीं।

मिट गया। लेकिन तब क्या उन घिसी-पिटी मान्यताओं का असल में कोई अर्थ रहता है, जब ये महिला धावक –जो कुपोषण भरे बचपन, सामाजिक दबावों, गरीबी से जुझने में कड़ा संघर्ष, हर वक्त यौन उत्पीड़न की आशंका और छोटे गांव-छोटे शहरों की अव्यवस्था भरी ज़िंदगी के बीच भी अपने सपनों के लिए जुझती हैं और जीती हैं? जहां एक ओर ये लड़कियां पिछले हफ़्ते की शुरुआत में आइची-नागोया में अपनी ज़िंदगी के लिए दौड़ रही थीं वहीं भारत की दूसरी बेटियां दिल्ली की सड़कों पर एक पार्क में हुए सामूहिक-बलात्कार के खिलाफ़ विरोध कर रही थीं। हममें से जो लोग 2012 की सर्दियों में हुए ‘निर्भया’ यौन उत्पीड़न के मामले को याद कर सकते हैं, उनके लिए ऐसा लगता है मानो समय वहीं थमा हुआ है और हम हेरान हो रहे हैं– क्या वास्तव में कुछ बदला भी है?

पीएम मोदी की बात करें तो उन्होंने कई तरह के टोटके आजमाए हैं, ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ से लेकर महिलाओं के बैंक खाते में पैसे डालने तक और उज्ज्वला गैस सिलेंडर जैसी सरकारी योजनाओं में बदलाव किए हैं जो महिलाओं को प्राथमिकता सुनिश्चित करती हैं। भले ही इनमें से कई योजनाओं का मकसद महिलाओं का एक राजनीतिक वोट बैंक बनाना हो –लेकिन कम से कम उन्होंने कोशिश करना तो नहीं छोड़ा। तो फिर महिलाओं को ऐसा लगाना क्यों जारी है कि उनकी कोई अहमियत नहीं? शायद इसलिए कि इन राजनीतिक कदमों के पीछे का उद्देश्य उतना नेकनीयत नहीं जितना होना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के ध्येय के साथ कई शर्तें भी जुड़ी हैं – इसमें सबसे बड़ी समस्या है कोटा देने से पहले संसद और विधानसभाओं में सीटों की संख्या में विस्तार करना। महिला हाँकी गोलकीपर सविता पुनिया, जिन्होंने चीन के विरुद्ध फ़इनल मैच में पेनल्टी स्ट्रोक रोककर टीम को 1-0 से गोल्ड मेडल जिताने में मदद की, हरियाणा के सिरसा की निवासी हैं। मई 2026 में सिरसा में जन्म के समय लिंगानुपात बहुत खराब रहा है – प्रति 1,000 लड़कों पर 883 लड़कियां। सरकार ने हाल ही में चार स्वास्थ्य अधिकारियों को बर्खास्त किया, उन पर गैर-कानूनी तरीके से गर्भपात की अनुमति देने का आरोप है। हरियाणा में यह खुला रहस्य है कि गर्भवती महिलाएँ कन्या भ्रूण नष्ट करवाने पड़ोसी राज्य राजस्थान जाती हैं। (हरियाणा की सबसे खराब स्थिति वाले जिले गुरुग्राम व जींद हैं, जहां प्रति 1,000 लड़कों पर क्रमशः 863 और 872 लड़कियां हैं।) मिज़ोरम के कोलासिब की वासी लालरेमिसगामी बेमारज़ोटे ने महिला हाँकी फ़इनल के 10वें मिनट में जीत दिलाने वाला गोल किया। झारखंड के सिमडेगा ज़िले के बड़कीचपार की रहने वाली सलीमा डेटे, खड़िया आदिवासी समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी टीम की कप्तानी करते हुए शानदार जीत दिलाई। डेटे कहती हैं कि वह पूर्व महिला हाँकी कप्तान असुंटा लकड़ा को अपना आदर्श मानी हैं, जिन्होंने जुलाई में हाँकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह पर ‘यौन उत्पीड़न और संस्थागत डराने-धमकाने’ का आरोप लगाया था। सलीमा ‘गोल्डन गर्ल्स’ ने 44 साल में पहली बार गोल्ड मेडल जीता और 2028 ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की है। शायद सबसे मुश्किल सवाल अभी भी उनसे नहीं पूछे जा रहे जो सत्ता में हिस्सेदारी करना नहीं चाहते – आप ऐसा क्यों नहीं करते?

सुरेश सेठ

विडंबना यह है कि शिक्षा क्रांति के नाम पर ज्ञान और शोध से पहले कारोबार का विस्तार दिखाई देने लगा है। सरकार द्वारा शिक्षा पर पर्याप्त निवेश न किए जाने और निजी क्षेत्र पर बढ़ती निर्भरता ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। देश में आम आदमी के ‘अच्छे दिन’ का वादा लंबे समय से किया जा रहा है। इसे साकार करने के लिए शिक्षा और चिकित्सा जैसे जनकल्याणकारी मॉडल सामने रखे गए हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में मोहल्ला वलीनिकों से लेकर आयुष्मान भारत तक, गरीब और आम नागरिक को मुफ्त या सस्ती स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

बावजूद इसके, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को अधूरी सुविधाओं के कारण आज भी बड़ी संख्या में लोग महंगे निजी अस्पतालों का रुख करने को विवश हैं। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी क्रांति और नवजागरण की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन इन संकल्पों का वास्तविक लाभ आम आदमी तक प्रभावी रूप से पहुंचना अभी एक बड़ी चुनौती है।

प्रशासन का दावा है कि डिजिटल तकनीक और कृत्रिम मेधा से लेकर अंतरिक्ष,

सेमीकंडक्टर, कृषि, मौसम और उत्पादकता संबंधी शोध तक भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसी उपलब्धि के आधार पर नई शिक्षा नीति को रोजगारपरक और व्यापक शिक्षा क्रांति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह भी कहा जाता है कि स्कूली शिक्षा में प्राथमिक स्तर पर लगभग सार्वभौमिक नामांकन हो चुका है और अधिकांश विद्यालय बुनियादी भवन एवं स्वच्छता सुविधाओं से लैस हैं। ऐसे दावों के बीच यह उम्मीद जताई जाती है कि निकट भविष्य में चिकित्सा और शिक्षा—दोनों क्षेत्रों में भारत स्वयं एक अनुकरणीय मॉडल बन जाएगा।

हलांकि इन उपलब्धियों और दावों का वास्तविक मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि इनका लाभ देश की विशाल आबादी के अंतिम व्यक्ति तक किस प्रभावी और समान रूप से पहुंच रहा है। लेकिन जब स्कूली और उच्च शिक्षा की वास्तविक स्थिति की पड़ताल करते हैं, तो तस्वीर सरकारी दावों से कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। उच्च शिक्षा के बढ़ते निजीकरण ने शिक्षा को सुलभ और छात्र-केंद्रित बनाने के बजाय उसे तेजी से

अबूझमाड़ में बदलाव : जहां 15 साल रहा सुरक्षा कैंप अब वहीं संवर रहा आदिवासी बच्चों का भविष्य

नवसल प्रभावित अबूझमाड़ में बदलाव की एक नई और उम्मीद जगाने वाली तस्वीर सामने आई है। नारायणपुर जिले के भाटपाल में जिस परिसर में करीब 15 वर्षों तक सुरक्षा बलों का कैंप संचालित होता रहा, आज उसी परिसर में दूरस्थ आदिवासी गांवों के बच्चे रहकर अपने बेहतर भविष्य की तैयारी कर रहे हैं। बस्तर संभाग में अपनी तरह की इस पहली पहल के तहत पुराने सुरक्षा कैंप को जनजातीय विद्यार्थियों के छात्रावास और शिक्षा से जुड़े केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कभी सुरक्षा और शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला यह परिसर अब शिक्षा, अवसर और नई पीढ़ी के भविष्य निर्माण का आधार बन गया है। यह केवल किसी पुराने भवन का नया उपयोग नहीं, बल्कि उस बदलते अबूझमाड़ की कहानी है, जहां विकास की प्राथमिकताएं सुरक्षा से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आजीविका और नई पीढ़ी के लिए अवसरों के विस्तार तक पहुंच रही हैं।

जहां सुरक्षा थी प्राथमिकता, अब शिक्षा बन रही नई पहचान

नारायणपुर जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर भाटपाल का यह परिसर लंबे समय तक सुरक्षा बलों का महत्वपूर्ण ठिकाना रहा। करीब 15 वर्षों तक यहां सुरक्षा बल तैनात रहे। क्षेत्र में परिस्थितियां बदलने के बाद परिसर खाली हुआ तो जिला प्रशासन ने इसे अनुपयोगी छोड़ने के बजाय बच्चों की शिक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया। कलेक्टर नम्रता जैन की पहल पर इस परिसर को उन जनजातीय विद्यार्थियों के लिए छात्रावास के रूप में विकसित किया गया, जो दूरस्थ और दुर्गम गांवों से पढ़ने आते हैं। लंबी दूरी और आवास की सुविधा नहीं होने के कारण ऐसे विद्यार्थियों के लिए नियमित पढ़ाई जारी रखना आसान नहीं था। 11 अगस्त 2026 से यहां विद्यार्थियों के लिए आवासीय व्यवस्था शुरू की गई। इसके साथ ही जिस परिसर की पहचान कभी सुरक्षा कैंप के रूप में थी, उसकी भूमिका पूरी तरह बदल गई।

एक ही परिसर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के बच्चों को सहारा

भाटपाल के पूर्व सुरक्षा कैंप परिसर में वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए दो छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं। प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास में कक्षा 6वीं



से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 100 सीटें स्वीकृत हैं। वर्तमान में यहां 114 विद्यार्थी रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों से आने वाले इन बच्चों को विद्यालय के समीप सुरक्षित आवास आसान हुई है। इसी परिसर में पोस्ट-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास भी संचालित किया जा रहा है। इसमें कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 50 सीटें स्वीकृत हैं और वर्तमान में 39 विद्यार्थी निवासरत हैं। यह व्यवस्था एजुकेशन सिटी कुतुल से संबद्ध विद्यार्थियों की आवासीय आवश्यकता को भी पूरा कर रही है। विशेष रूप से पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास की शुरुआत उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है, जिन्हें दसवीं के बाद आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय के आसपास निजी आवास तलाशना पड़ता था। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। अब छात्रावास मिलने से उन्हें सुरक्षित आवास के साथ पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण भी मिल रहा है।

बच्चों की आंखों में दिख रहा बदलाव

इस बदलाव का वास्तविक अर्थ यहां रहने वाले बच्चों के अनुभवों में दिखाई देता है। हलामीमुंमेटा से आने वाले कक्षा 9वीं के विद्यार्थी रितेश सोनी बताते हैं कि नए परिसर में आने के बाद विद्यार्थी काफी खुश हैं। सुरक्षित वातावरण में रहना, स्कूल का पास होना और साथियों के साथ पढ़ाई करना उनके लिए सुविधाजनक हो गया है। राजबेड़ा के रहने वाले कक्षा 12वीं के विद्यार्थी कोमेंद्र करीब 22 किलोमीटर दूर से आते हैं। छात्रावास शुरू होने से पहले विद्यालय के पास रहने के लिए उन्हें अलग से आवास की व्यवस्था करनी पड़ती थी। इससे परिवार पर अतिरिक्त खर्च भी आता था। अब छात्रावास में सुरक्षित और व्यवस्थित आवास मिलने से उनकी यह

स्कूल सिर्फ 50 मीटर दूर, दूरी की बड़ी बाधा हुई कम

दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की राह में केवल स्कूल में प्रवेश लेना ही चुनौती नहीं होती। लंबी दूरी, परिवहन और रहने की व्यवस्था भी उनकी नियमित पढ़ाई को प्रभावित करती है।

भाटपाल की नई व्यवस्था ने इस समस्या का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भाटपाल छात्रावास से महज 50 मीटर की दूरी पर है। इससे विद्यार्थियों को रोज लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं पड़ती और वे अपना अधिक समय पढ़ाई में लगा पा रहे हैं। प्री-मैट्रिक से पोस्ट-मैट्रिक तक आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से बच्चों की पढ़ाई को निरंतर बनाए रखने में भी मदद मिल रही है। प्रशासन का प्रयास है कि बच्चे केवल स्कूल में दाखिला ही न लें, बल्कि उच्च कक्षाओं तक अपनी शिक्षा पूरी कर सकें।

बच्चों की आंखों में दिख रहा बदलाव

इस बदलाव का वास्तविक अर्थ यहां रहने वाले बच्चों के अनुभवों में दिखाई देता है। हलामीमुंमेटा से आने वाले कक्षा 9वीं के विद्यार्थी रितेश सोनी बताते हैं कि नए परिसर में आने के बाद विद्यार्थी काफी खुश हैं। सुरक्षित वातावरण में रहना, स्कूल का पास होना और साथियों के साथ पढ़ाई करना उनके लिए सुविधाजनक हो गया है। राजबेड़ा के रहने वाले कक्षा 12वीं के विद्यार्थी कोमेंद्र करीब 22 किलोमीटर दूर से आते हैं। छात्रावास शुरू होने से पहले विद्यालय के पास रहने के लिए उन्हें अलग से आवास की व्यवस्था करनी पड़ती थी। इससे परिवार पर अतिरिक्त खर्च भी आता था। अब छात्रावास में सुरक्षित और व्यवस्थित आवास मिलने से उनकी यह

चिंता दूर हुई है। कलेक्टर नम्रता जैन ने अब विकास की पहुंच बढ़ाने के प्रयासों में शिक्षा भी महत्वपूर्ण केंद्र बन रही है। दूरस्थ गांवों के बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने के साथ उन्हें वहीं बनाए रखने और उच्च कक्षाओं तक शिक्षा जारी रखने के लिए आवासीय सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भाटपाल में इसका प्रतीकात्मक स्वरूप और भी प्रभावी है। जिस परिसर में कभी सुरक्षा बलों की गतिविधियां इसकी पहचान हुआ करती थीं, आज उसी परिसर में स्कूल यूनिफ़ॉर्म पहने बच्चे किताबों के साथ अपने भविष्य की तैयारी कर रहे हैं। करीब 15 वर्षों तक सुरक्षा का केंद्र रहा यह परिसर अब शिक्षा का सहारा बन गया है। सुरक्षा के लिए खड़ी की गई अधोसंरचना आज नई पीढ़ी को अवसर देने के काम आ रही है। भाटपाल की कहानी बदलते अबूझमाड़ की उस तस्वीर का सामने लाती है, जहां भविष्य का अर्थ केवल सड़क, भवन और दूसरी अधोसंरचनाओं का निर्माण नहीं, बल्कि दूरस्थ गांवों के बच्चों के लिए शिक्षा और बेहतर भविष्य के नए रास्ते खोलना भी है। जहां कभी सुरक्षा कैंप था, वहां आज बच्चों का छात्रावास है। जहां सुरक्षा बलों की मौजूदगी परिसर की पहचान थी, वहां अब विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य के सपने नई पहचान बन रहे हैं। सुरक्षा से शिक्षा तक का भाटपाल का यह सफ़र बदलते अबूझमाड़ की कहानी को एक नई भाषा दे रहा है।

भोजन की गुणवत्ता तक परखी

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास के किचन में पहुंचकर बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन का भी जांचा लिया। उन्होंने चावल एवं सब्जी की गुणवत्ता देखी तथा स्वच्छता और निर्धारित मीनू के अनुसार नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अबूझमाड़ के बदलाव की प्रतीक बनी भाटपाल की कहानी

भाटपाल का यह परिवर्तन अबूझमाड़ और नारायणपुर की बदलती विकास यात्रा की एक महत्वपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत करता है। लंबे समय तक नक्सल प्रभावित क्षेत्र के

सेवा अब अपने सफल संचालन का एक चर्र पूरा कर चुकी है, जिससे पूरे क्षेत्र के जनजीवन में एक बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन आया है।

विगत एक वर्ष से निर्बाध चल रही इस बस सेवा के नियमित यात्री सदामरा बघेल, गहुराम, तुलाराम नाग, तुलसीराम नाग, सुमन नाग और शांति नाग बताते हैं कि इस सुविधा ने उनके जीवन को पूरी तस्वीर बदल दी है। ग्रामीण याद करते हैं कि अतीत में सुरक्षा चिंताओं और अधोसंरचना के अभाव के कारण आवश्यक कार्यों, इलाज या साप्ताहिक हाट-बाजार के लिए भी कई किलोमीटर का जोखिम भरा सफ़र घने जंगलों के बीच से पैदल या असुरक्षित साधनों से तय करना पड़ता था। अब पिछले एक साल से तय समय पर बस की नियमित उपलब्धता से यात्रा सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों के समय, श्रम और

धन की भारी बचत हो रही है।

इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाली के साथ पक्की सड़कों के निर्माण और एक वर्ष से जारी सार्वजनिक बस सेवा के तालमेल ने दरभा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को नई मजबूती दी है। स्थानीय किसान और वनोपज संग्राहक अपनी उपज को बिना किसी बिचौलिए या देरी के सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचाकर उचित मूल्य पा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है। इसके साथ ही गांव के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा संस्थानों और गंभीर मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों तक समय पर पहुंचाने में इस बस सेवा ने पिछले बहार महੀनों में एक जीवनरेखा की भूमिका निभाई है। दशकों के अलगाव और ख़ौफ़ के दौर को पीछे छोड़ते हुए कोलैंग निवासी तुलाराम नाग और आसपास के अन्य ग्रामीण शासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना कर रहे हैं।

कांगेर घाटी के सुरम्भ अंचल में विकास की दस्तक

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के घने वनांचलों के बीचोंबीच बसा बस्तर जिले के दरभा विकासखंड का खूबसूरत गांव कोलैंग अब अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ विकास की मुख्यधारा से जुड़ने की नई मिसाल पेश कर रहा है। कभी दशकों तक लाल आतंक के खौफ़ और माओवादी प्रभाव के साप में कटे रह इस वनांचल में बदलाव की बयार अब पूरी तरह स्थापित हो चुकी है।

उस दौर में जहां न पक्की सड़कें थीं और न ही आवागमन का कोई साधन, वहां ‘मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना’ के तहत दौड़ती बसें ग्रामीणों के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक बन चुकी हैं। नानगुर, चिंगपाल और कांगेर घाटी की हरी-भरी वादियों के बीच बसे कोलैंग को आपस में जोड़ने वाली यह नियमित बस



सेवा अब अपने सफल संचालन का एक चर्र पूरा कर चुकी है, जिससे पूरे क्षेत्र के जनजीवन में एक बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन आया है।

विगत एक वर्ष से निर्बाध चल रही इस बस सेवा के नियमित यात्री सदामरा बघेल, गहुराम, तुलाराम नाग, तुलसीराम नाग, सुमन नाग और शांति नाग बताते हैं कि इस सुविधा ने उनके जीवन को पूरी तस्वीर बदल दी है। ग्रामीण याद करते हैं कि अतीत में सुरक्षा चिंताओं और अधोसंरचना के अभाव के कारण आवश्यक कार्यों, इलाज या साप्ताहिक हाट-बाजार के लिए भी कई किलोमीटर का जोखिम भरा सफ़र घने जंगलों के बीच से पैदल या असुरक्षित साधनों से तय करना पड़ता था। अब पिछले एक साल से तय समय पर बस की नियमित उपलब्धता से यात्रा सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों के समय, श्रम और

धन की भारी बचत हो रही है। इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाली के साथ पक्की सड़कों के निर्माण और एक वर्ष से जारी सार्वजनिक बस सेवा के तालमेल ने दरभा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को नई मजबूती दी है। स्थानीय किसान और वनोपज संग्राहक अपनी उपज को बिना किसी बिचौलिए या देरी के सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचाकर उचित मूल्य पा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है। इसके साथ ही गांव के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा संस्थानों और गंभीर मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों तक समय पर पहुंचाने में इस बस सेवा ने पिछले बहार महीनों में एक जीवनरेखा की भूमिका निभाई है। दशकों के अलगाव और ख़ौफ़ के दौर को पीछे छोड़ते हुए कोलैंग निवासी तुलाराम नाग और आसपास के अन्य ग्रामीण शासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना कर रहे हैं।

शिक्षा क्रांति का अधूरा सच और जमीनी हकीकत



व्यावसायिक गतिविधि में बदल दिया है। बड़े निजी परिसर और बढ़ती छात्र संख्या शिक्षा के विस्तार का संकेत जरूर देते हैं, लेकिन परीक्षा व्यवस्था में निजीकरण, पेपर लीक और नकल जैसी समस्याएं इसकी गुणवत्ता और

निजी क्षेत्र पर बढ़ती निर्भरता ने इस प्रवृत्ति को और मजबूत किया है। जहां शिक्षा का उद्देश्य सामाजिक विकास और ज्ञान-सृजन होना चाहिए, वहां लाभ और राजनीतिक हित हावी होने लगते हैं। परिणामतः विश्वविद्यालयों के विशाल परिसर और बढ़ती छात्र संख्या के बावजूद शोध, पाठ्यक्रम और शिक्षण की गुणवत्ता में अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देता। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिसमें छात्र पढ़ाई के साथ काम करने की सुविधा और प्रेरणा भी पा सकें, लेकिन स्कूल और कॉलेज अभी भी परीक्षा, टयूशन और अंकों की प्रतिस्पर्धा तक सीमित दिखाई देते हैं। सरकार ने शिक्षा और काम को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था विकसित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। शिक्षा क्रांति के तहत बेहतर इमारतों, शौचालयों और पेयजल जैसी सुविधाओं के दावे तो किए गए हैं, लेकिन बच्चों की शिक्षा जारी रखने की वास्तविक चुनौती अब भी बनी हुई है। यूनिसेफ की रिपोर्ट इन दावों से अलग तस्वीर सामने रखती है। सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति की रफ़्तार धीमी है। आज भी करीब 1.2 करोड़ बच्चों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं है।

और लगभग पांच करोड़ स्कूली बच्चे स्वच्छता, शौचालय और वाशरूम जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। शिक्षा के ढांचे की डिजिटल और कृत्रिम मेधा के अनुरूप बदलने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन चंद शहरी स्कूलों को छोड़कर विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सुविधाएं अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। पेयजल, स्वच्छता और साफ-सफ़ाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा की स्थिति और भी चिंताजनक है। उनके लिए कोई समानांतर और सुनिश्चित शिक्षा व्यवस्था दिखाई नहीं देती; कुछ लोगों द्वारा चलाए जा रहे अधूरे प्रयासों के अलावा व्यापक स्तर पर कोई निश्चित व्यवस्था नहीं है। जबकि उन्हें भी शिक्षा का पूरा अधिकार है और हर शहर में स्कूली स्तर पर ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

इसीलिए शिक्षा क्रांति के दावों और उसकी वास्तविक तस्वीर के बीच अंतर दिखाई देता है। इन दावों को साधक बनाने के लिए शिक्षा क्रांति के अधूरे पक्षों को भी पूरा करना होगा। लेखक साहित्यकार हैं।

सेवा संकल्प



मातृत्व वंदना से ममता को मिला पोषण और स्वास्थ्य का संबल

अम्बिकापुर। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सकालो की रहने वाली श्रीमती ममता बनवासी बताती हैं कि पहली बार गर्भवती होने पर उन्हें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में जानकारी दी। दो किशतों में कुल 5 हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। गर्भावस्था के दौरान प्राप्त सहायता राशि का उपयोग उन्होंने अपने स्वास्थ्य और बच्चे की देखभाल के लिए किया। आर्थिक सहायता मिलने से इस महत्वपूर्ण समय में स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में उन्हें सहारा मिला। ममता के अनुसार आज वे और उनका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से योजना की जानकारी और पोषण सेवार्थ पात्र महिलाओं तक पहुंचने से गर्भावस्था के दौरान उन्हें आवश्यक सहयोग मिल रहा है।

चौपाल में तय हुआ 5 साल में गांव के विकास का खाका

कोंडगांव। 2 अक्टूबर को छठगठ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पत्रा और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोण्डगांव श्री अविनाश भोई के मार्गदर्शन में जिले के सभी 384 ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ग्रामसभा में पेयजल की व्यवस्था, ओसीआर (स्वयं के आय के स्रोत) में वृद्धि करने पर चर्चा, जल संचयन के संबंध में चर्चा, विकसित भारत जीयामजी योजना अंतर्गत वार्षिक कार्ययोजना निर्माण, विकसित ग्राम पंचायत प्लान के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा आने वाले पांच सालों के लिए विकास का खाका तैयार किया गया। इसमें मजदूरी दर, बेरोजगारी भत्ता, मजदूरी की गांठों एवं समयबद्ध भुगतान पर चर्चा हुई।

सेवा संकल्प अभियान : मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से आधा हुआ मंडी आने-जाने का खर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। मंडी तक आने-जाने में होने वाला खर्च किसी छोटे सख्खी विक्रेता की रोज की कमाई को सीधे प्रभावित करता है। सरगुजा जिले के कल्याणपुर क्षेत्र में सख्खी बेचकर परिवार की आजीविका चलाने वाले श्री अमोली के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना इसी खर्च को कम करने का माध्यम बनी है। पहले मंडी जाने के लिए उन्हें आठों में 50 से

60 रुपये तक किराया देना पड़ता था, अब ग्रामीण बस सेवा से यहीं सफर करीब 30 रुपये में पूरा हो रहा है। किराये में हुई इस बचत से उनके सख्खी व्यवसाय के रोजमर्रा के खर्च में राहत मिली है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई अमोली की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि ग्रामीण परिवहन की सुविधा केवल गांव से बाजार तक पहुंच आसान नहीं करती, बल्कि छोटे



व्यवसायियों के परिवहन खर्च को कम कर उनकी आजीविका में भी सहयोगी बन सकती है।

श्री अमोली कल्याणपुर में फूलझर नाला के पास सख्खी बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। व्यवसाय के लिए उन्हें नियमित रूप से मंडी जाकर सब्जियां और अन्य जरूरी सामान लाना पड़ता है। पहले मंडी तक पहुंचने के लिए वे आठों पर निर्भर थे। अधिक किराया लगने के कारण उनकी कमाई का एक

हिस्सा आने-जाने में ही खर्च हो जाता था। मंडी से सामान लेकर वापस लौटने में भी परिवहन खर्च होता था। ऐसे में छोटे स्तर पर सख्खी व्यवसाय करने वाले अमोली के लिए किराये पर होने वाला खर्च महत्वपूर्ण था।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस शुरू होने के बाद अमोली अब करीब 30 रुपये किराया देकर बस से मंडी पहुंच जाते हैं। पहले इसी सफर के लिए उन्हें 60 रुपए तक खर्च करने पड़ते थे।

जगदलपुर में 5 से 7 अक्टूबर तथा दंतेवाड़ा में 15 से 17 अक्टूबर तक लगेगा निःशुल्क विशाल दिव्यांग सेवा शिविर

आईडीडी विस्फोट ने छीने थे हाथ-पांव, अब मिलेंगे कृत्रिम अंग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नक्सल हिंसा के दौर में बस्तर अंचल में जहां-तहां आईडीडी विस्फोट होते रहे। इसकी चपेट में आकर जवानों के साथ ही बड़ी संख्या में वनवासियों ने भी अपने हाथ पैर गंवाए। अब शासन ऐसे लोगों के लिए दिव्यांग सेवा शिविरों का आयोजन कर रहा है ताकि इन्हें भी कृत्रिम अंग मिल सकें और इनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो सके। जगदलपुर और दंतेवाड़ा में इसी माह ये शिविर लगाए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि बस्तर अब आईडीडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर निकलने को तैयार है। वर्षों तक नक्सल हिंसा के दौर में बस्तर के अनेक इलाकों में सड़कों, नदी-तालाबों के किनारे और स्कूलों के आसपास लगाए गए आईडीडी की चपेट में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ आम नागरिक और पशु भी आए। कई नागरिकों ने इन विस्फोटों में अपने हाथ-पैर गंवाए और आज भी दिव्यांगता के साथ कठिन जीवन जी रहे हैं। जिनकी वेदना को कम करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ शासन भी लगातार प्रयासरत हैं। ऐसे लोगों के जीवन की मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग में दो चरणों में विशाल निःशुल्क दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

पहला तीन दिवसीय शिविर 5, 6 और 7 अक्टूबर को बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित होगा। इसमें बस्तर, कांकेर, नारायणपुर और कोण्डगांव जिले के दिव्यांगजन भी शामिल होंगे। दूसरा शिविर 15,



16 और 17 अक्टूबर को दंतेवाड़ा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के हितग्राहियों को लाभ मिलेगा। इन शिविरों में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के तकनीकी सहयोग से जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

शिविर की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। उपलब्ध विभागीय विवरण के अनुसार जगदलपुर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए चार जिलों में कुल 2,953 दिव्यांगजन की चिन्हांकित किए गए हैं। इनमें बस्तर के 1,570,

कोण्डगांव के 1,080, कांकेर के 236 और नारायणपुर के 67 दिव्यांगजन शामिल हैं।

समाज कल्याण विभाग के सहयोग से दिव्यांगों की अन्य सहायक उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, वैशाखी, स्मार्ट छड़ी, वॉकिंग स्टिक, छड़ी, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कैलिसर्स एवं दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी उपकरणों का भी वितरण किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आईडीडी किसी को पहचानता नहीं था। उसकी चपेट में कभी जवान आए, कभी आम नागरिक और कभी पशु। जिन नागरिकों ने विस्फोटों में अपने

पैर या हाथ गंवाए, उनका जीवन बच तो गया, लेकिन उन्हें वर्षों से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अब प्रयास है कि ऐसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी जरूरत के अनुरूप कृत्रिम अंग उपलब्ध कराया जाए।

श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद की समाप्ति के बाद ना सिर्फ बस्तर को आईडीडी के भय से मुक्त कराने बल्कि आईडीडी से प्रभावितों के साथ भी खड़ी है। शिविर में आईडीडी विस्फोट से दिव्यांग हुए नागरिकों को विशेष रूप से चिन्हांकित कर उनकी आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम पैर

(जयपुर फुट), कृत्रिम हाथ तथा अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य कारणों से दिव्यांग हुए लोग भी शिविर का लाभ ले सकेंगे।

विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण और नाप लेकर आवश्यकता के अनुसार कृत्रिम अंग तैयार करने तथा पुराने अथवा क्षतिग्रस्त कृत्रिम अंगों की मरम्मत की व्यवस्था भी शिविर में रखे जाने की जानकारी सामने आई है।

ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक पंजीयन की व्यवस्था

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बस्तर संभाग के दिव्यांगजनों और विशेष रूप से आईडीडी विस्फोट पीड़ितों से शिविर में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हितग्राही अपने जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। ग्राम सभाओं में भी ऐसे हितग्राहियों के नाम ग्राम पंचायत सचिव के माध्यम से पंजीयन कर जनपद और जिला पंचायत तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी कारणवश पूर्व पंजीयन नहीं हो पाया हो तो जरूरतमंद व्यक्ति सीधे शिविर में भी पहुंचें। शिविर में आने वाले हितग्राहियों के भोजन और ठहरने की व्यवस्था की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इन दोनों शिविरों के माध्यम से प्रयास है कि समूचे बस्तर में आईडीडी विस्फोटों से दिव्यांग हुए लोगों तक सहायता पहुंचे और वर्षों से उनके जीवन से जुड़ी इस पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि बस्तर में आईडीडी विस्फोट के इस दंश को समाप्त कर देना है।

कोयलीबेड़ा में पहली बार सोनोग्राफी सुविधा से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंची डायनोस्टिक सेवाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

उत्तर बस्तर कांकेर। कोयलीबेड़ा जैसे लंबे समय तक नक्सल गतिविधियों से प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्र में अब स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच लगातार बढ़ रही है। कलेक्टर कुन्दन कुमार की अभिनव पहल के तहत सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सेवा सेतु सह मेगा स्वास्थ्य शिविर में पहली बार सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को आवश्यक जांच के लिए कांकेर अथवा अन्य दूरस्थ स्थानों तक जाने की परेशानी से राहत मिली।

कोयलीबेड़ा विकासखंड मुख्यालय में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों और सुदूर क्षेत्रों से ग्रामीण पहुंचे। शिविर में कुल 1040 लोगों ने ओपीडी पंजीयन कराया। इसमें 41 लोगों की सोनोग्राफी, 120 लोगों का एक्स-रे और 225 लोगों की रक्त जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार भी प्रदान किया।

ग्राम सुलांगी निवासी मेघरे पोटाई के लिए सोनोग्राफी की सुविधा विशेष राहत लेकर आई। अपनी पिछली चार गर्भावस्थाओं के दौरान सोनोग्राफी के लिए उन्हें कोयलीबेड़ा से बाहर जाना पड़ा था। इस बार शिविर में ही सोनोग्राफी की सुविधा मिलने से उन्हें दूर जाने की



आवश्यकता नहीं पड़ी। इसी तरह कोयलीबेड़ा निवासी हस्तिना नाग ने भी शिविर में अपनी सोनोग्राफी कराई। उन्हें कांकेर जाने की जरूरत नहीं पड़ी।

शिविर में 135 हितग्राहियों को जांच के बाद निःशुल्क चश्मे, 55 लोगों को दिव्यांग प्रमाण पत्र संबंधी सेवार्थ तथा 28 लोगों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया गया। वहीं 8 लोगों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया और जनभागीदारी के तहत 34 लोगों ने

स्वैच्छक रक्तदान किया, जिसमें 18 बीएसएफ के जवान भी शामिल रहे।

कभी घोर नक्सलगढ़ के रूप में कुख्यात कोयलीबेड़ा में पहली बार उपलब्ध कराई गई सोनोग्राफी सुविधा इसी बदलते परिवेश की महत्वपूर्ण मिसाल है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह शिविर ग्रामीणों तक स्वास्थ्य एवं शासकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल का प्रभावी उदाहरण बना।

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जिले में महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों के बेहतर पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास संचालनालय की संयुक्त संचालक श्रीमती जगरानी एक्का ने शनिवार जिले का भ्रमण कर पोषण माह के तहत संचालित गतिविधियों एवं विभागों सेवाओं का अवलोकन किया।

राष्ट्रीय पोषण माह के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष श्री मुकुंश दुबे ने पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पोषण रथ के माध्यम से आम नागरिकों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, बच्चों के समुचित पोषण, स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य



नागरिक उपस्थित थे।

संयुक्त संचालक श्रीमती एक्का ने मरवाही परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र कोटान टोला तथा गौरेला परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र स्टेशन पारा का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रों में संचालित पोषण संबंधी गतिविधियों और हितग्राहियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की

जानकारी ली। उन्होंने बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति नियमित रूप से जागरूकता गतिविधियां संचालित करने पर जोर दिया (उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव उचित पोषण से ही तैयार होती है। आंगनबाड़ी केंद्र शासन की पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं

को महिलाओं और बच्चों तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। श्रीमती एक्का ने सखी वन स्टॉप सेंटर, गौरेला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर के माध्यम से जरूरतमंद एवं हिंसा से प्रभावित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सेवाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

मेगा हेल्थ कैंप में बुजुर्गों का सम्मान, बांटे सहायक उपकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। पोड़ी चिरमिरी स्थित मंगल भवन में चल रहे दो दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महापौर रामनरेश राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बुजुर्गों का शौल एवं माला से सम्मान किया गया। जरूरतमंद वृद्धजनों को वॉकिंग स्टिक भी वितरित की गई। कार्यक्रम में सभापति संतोष सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल के सहयोग तथा खंड चिकित्सा



के कार्यक्रम आयोजित किए गए। 30 सितंबर से शुरू हुए इस दो दिवसीय शिविर में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त समन्वय से नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध

कराए जा रहे हैं। पात्रता एवं चिकित्सकीय जांच के आधार पर श्रवण यंत्र, वॉकिंग स्टिक, व्हीलचेयर सहित विभिन्न उपकरण वितरित किए जा रहे हैं।

शिविर में अब तक लगभग 100 श्रवण यंत्र और 150 वॉकिंग स्टिक वितरित की जा चुकी हैं।

वहीं 450 से अधिक लोगों की दृष्टि जांच की गई है। जांच के परिणाम एवं आवश्यकता के अनुसार आवश्यकताओं को चर्च में वितरित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद नागरिकों के आवागमन, दैनिक गतिविधियों और संवाद को आसान बनाना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर रामनरेश राय ने वृद्धजनों के सम्मान और उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने परिवार एवं समाज से बुजुर्गों की देखभाल में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग के प्रयास से एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवाओं और सहायक उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल की सराहना की।

शौचालय और उज्ज्वला योजना से संजु के परिवार को मिली सुविधा

कोरिया। बांधपारा कुडेली की 33 वर्षीय संजु राजवाड़े खेती-किसानी और मजदूरी के जरिए नियमित रूप से जागरूकता गतिविधियां संचालित करने पर जोर दिया (उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव उचित पोषण से ही तैयार होती है। आंगनबाड़ी केंद्र शासन की पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को महिलाओं और बच्चों तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। श्रीमती एक्का ने सखी वन स्टॉप सेंटर, गौरेला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर के माध्यम से जरूरतमंद एवं हिंसा से प्रभावित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सेवाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z

CUT N SHINE

93009-11331

रंगोली कैबलस के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2

PH.: 0768-4060131

अनुप ट्रेडर्स

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539

ख़ास-ख़बर

जिले के 75 परीक्षा केंद्रों में आयोजित हुई छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा

अम्बिकापुर। सरगुजा जिले में रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन 75 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से किया गया। परीक्षा के लिए कुल 19 हजार 255 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से 11:15 बजे तक हुई, जिसमें पंजीकृत 19 हजार 255 अभ्यर्थियों में से 14 हजार 702 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 4 हजार 553 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 2:00 बजे से 4:15 बजे तक आयोजित हुई। इसमें 14 हजार 666 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 4 हजार 589 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए अम्बिकापुर सहित लखनपुर, उदयपुर एवं लुण्डा क्षेत्र के विभिन्न शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों और विद्यालयों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सभी केंद्रों पर निर्धारित समय-सारणी के अनुसार दोनों पालियों में परीक्षा संपन्न हुई।

नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा देख भावुक हुए मंत्री नेताम

रायपुर। गांधी जयंती के अवसर पर 'सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय पहुंचे। मंत्री ने यहां औचक निरीक्षण कर बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, ब्रेल शिक्षा सहित विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर मंत्री नेताम भावुक नजर आए। बच्चों ने स्वागत गीत और संगीत के साथ रामायण पाठ व सुरकोड का चौपाइयां प्रस्तुत कीं। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न जीव-जंतुओं की आवाजें निकालकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों में दिखे आत्मविश्वास और सीखने की ललक की मंत्री ने जमकर सराहना की।

राम मंदिर से जंगल सफारी तक 25 किमी साइकिल रैली का हुआ आयोजन

रायपुर। वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप मार्गदर्शन और दिशा निर्देश पर रविवार को नवा रायपुर में साइकिल रैली निकाली गई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता और युवाओं में वन्यजीवों और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। पूरे प्रदेश में वन्यजीव सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि समाज में प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सके। यह साइकिल रैली वीआईपी रोड रायपुर के राम मंदिर से शुरू हुई और 25 किलोमीटर का लंबा सफर तय करते हुए जंगल सफरी में समाप्त हुई। इस साइकिल रैली में 100 से अधिक साइक्लिस्ट ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।

हार से सीखें और जीत का अहंकार न करें, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती - मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सारंगढ़ की पावन धरा पर रायपुर को खेल, उत्साह और राज्य स्तरीय खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। मौका था 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के भव्य शुभारंभ का। इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को खेल और शिक्षा के क्षेत्र में दो बड़ी सौगातें देते हुए जिले में सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड तथा डाइट (क्प्फ़) कॉलेज प्रारंभ करने की ऐतिहासिक घोषणा की।

इसके साथ ही उन्होंने अवगत कराया कि जिले में नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से जुड़े प्रस्ताव आगे की प्रक्रिया में हैं, और राज्य सरकार स्कूल अधोसंरचना के विकास व आवश्यक जीर्णोद्धार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने खिलाड़ियों में नया जोश भरते हुए कहा कि खेलोगे तो जीतोगे, खेलोगे तो हारोगे, लेकिन नहीं खेलोगे तो केवल दर्शक बनकर रह जाओगे। हार से सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए और विजेता खिलाड़ियों को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास जारी रखने वाले ही



जीवन में नई ऊंचाइयों को छूते हैं। खेलभांठा मैदान सारंगढ़ में 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के पाँचों संभागोंकबिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा-से आए 330 बाल-खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर रहे हैं। आयोजन के पहले दिन फुटबॉल (बालक 14 वर्ष), सॉफ्टबॉल (बालक एवं बालिका 17 वर्ष) और क्रिकेट (बालिका 17 वर्ष) की प्रतियर्धाओं के साथ रोमांचक मुकाबलों की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि जीतने के लिए सबसे पहले मैदान

में उतरना जरूरी है। खेल केवल शारीरिक विकास नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और बौद्धिक क्षमता को भी निखारता है। छत्तीसगढ़ की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता ही हमारी ताकत है, और खेल इस विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का सबसे सशक्त माध्यम है। कलेक्टर ने स्वागत भाषण में खिलाड़ियों के रहने, भोजन व सुरक्षा की सुव्यवस्थित व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में जिले का बोर्ड परीक्षा परिणाम शानदार रहा है और तीन विद्यार्थियों ने राज्य की टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान बनाया है।

उन्होंने जिले में शिक्षा के आधुनिक रूढ़ानों का जिक्र करते

हुए कहा कि कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्रों के लिए नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष कोचिंग सुविधा शुरू की जा रही है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कक्षाएं, रोबोटिक्स लैब्स और अटल टिकरिंग लैब्स की स्थापना की जा रही है। उद्घाटन समारोह में सारंगढ़ विधायक उत्तरी गणपत जांगढ़, बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे, सांसद राधेश्याम राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष समेत अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

राहरी गरीबों के पक्के आवास अभियान को राष्ट्रीय पहचान

मुख्यमंत्री साय के सुशासन और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में पीएम आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन को मिली पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार शहरी गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के अपने पक्के घर के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री अरुण साव के सतत मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन को नई गति मिली है। राज्य के आवास प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है।

छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) पुरस्कार-2026 समारोह 5 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में



आयोजित होगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा राज्य शहरी विकास अधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी-सह-राज्य मिशन संचालक, पीएमएवाई

(शहरी) सुमित अग्रवाल छत्तीसगढ़ की ओर से इसमें सहभागिता करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहरी विकास योजनाओं को जनकल्याण से जोड़ते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध

ढंग से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया है। उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा शहरी गरीबों के आवास निर्माण को गति देने, लंबित आवासों को पूरा कराने तथा हितग्राहियों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए सतत अनुश्रवण किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा नगरीय निकायों के साथ समन्वय कर योजना का जमीनी क्रियान्वयन सुदृढ़ किया गया है। आवास स्वीकृति से लेकर निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता, हितग्राही-केंद्रित प्रक्रिया और समयबद्ध पूर्णता तक प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी की जा रही है। इससे योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंचाने और उनके जीवन में

स्थायी बदलाव लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि शहरी गरीब परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर

भविष्य देने का व्यापक अभियान है। पक्के आवास से परिवारों को सुरक्षित जीवन, सामाजिक गरिमा और बच्चों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य के लिए बेहतर वातावरण मिलता है। छत्तीसगढ़ में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के पीछे नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, तकनीकी अमले और हितग्राहियों की साझा भागीदारी रही है। भारत सरकार द्वारा प्राप्त आमंत्रण राज्य के सामूहिक प्रयासों और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के प्रति छत्तीसगढ़ की गंभीर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह उपलब्धि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन-केंद्रित विजन तथा उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में शहरी विकास और आवास क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक, परिणामोन्मुख कार्यों के राष्ट्रीय मंच पर रेखांकित करती है। समारोह में राज्य की सहभागिता से छत्तीसगढ़ के शहरी आवास मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिलेगी।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय क्रिकेट टीम से मिले प्रमतेज सिंह भाटिया, दी जीत की बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम को छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं बीसीसीआई के संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया ने मुलाकात कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय टीम से हुई इस मुलाकात के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया तथा भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पी. टी. ऊषा भी उपस्थित रहीं। श्री भाटिया ने भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सहित पूरी टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें ऐतिहासिक एवं शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री भाटिया ने टीम इंडिया के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए देश का गौरव बढ़ाया है।

कप्तान श्रेयस अय्यर सहित पूरी टीम के प्रदर्शन की सराहना



उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर सहित प्रत्येक खिलाड़ी के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं प्रदान कीं। उल्लेखनीय है कि एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक के लिए खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान

को 19 रनों से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक हासिल कर देश को गौरवान्वित किया। भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रभतेज सिंह

भाटिया ने कहा कि देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना प्रत्येक खिलाड़ी के लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने पूरी टीम को भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं : मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप कोण्डगांव जिले के मर्दापाल में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों तक



योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

उन्होंने ग्रामीणों को दुःख

पोषण जागरूकता के साथ सेवा गतिविधियां जारी

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से पोषण जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां जारी हैं। रायगढ़ जिले के सराईपाली, तमनार में लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र एवं पौधे देकर सम्मानित किया। इस दौरान 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान के तहत ब्रोशर वितरित किए गए और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। जोगीतराई में पौष्टिक शाली एवं व्यंजन प्रदर्शनी, स्वस्थ बालक-बालिका, फैसी ड्रेस और मेहंदी प्रतियोगिता, अन्नप्राशन तथा न्योता भोज कराया गया। डोलेसरा-2 में गोदभराई, अन्नप्राशन और पोषण जागरूकता गतिविधियां हुईं। ठेंगापाली-2 में पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी, चित्रकला एवं कुसी दौड़ आयोजित की गई।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहलत उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नगर सेना कर्मी के सूने घर से लाखों की चोरी

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पहंदा में शनिवार देर रात चोरों ने नगर सेना में पदस्थ कर्मी के सूने मकान को निशाना बनाया। चोर घर से नकदी और सोने-चांदी के जेवरत ले गए। इसी दौरान आसपास के ग्रामीणों को चोरों की गतिविधि की भनक लग गई और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। घबराकर चोर अपनी स्कूटी मौके पर छोड़कर भाग निकले। चोरी गए सामान की कीमत एक लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। ग्राम पहंदा निवासी दिलीप रात्रे नगर सेना में पदस्थ हैं। शनिवार को वे किसी काम से बाहर गए थे, जबकि उनके परिवार के सदस्य डोंगरगढ़ घूमने गए थे। घर में किसी के मौजूद नहीं होने का फयदा उठाकर अज्ञात चोर देर रात मकान में घुसे। उन्होंने अलमारी समेत घर के अन्य सामान को खंगाला और नकदी तथा जेवरत लेकर निकलने लगे। इसी दौरान आसपास के ग्रामीणों को घर में हलचल की जानकारी हुई। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो चोर घबरा गए और मौके से भाग निकले। जल्दबाजी में वे अपनी स्कूटी वहीं छोड़ गए। पुलिस ने स्कूटी को बरामद कर लिया है। उसके पंजीयन और चेचिस नंबर के आधार पर मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। सूचना मिलने पर उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डाग स्कानाइड की मदद से घटनास्थल की जांच की और फिंगर प्रिंट समेत अन्य सुराग जुटाए।

घर में नहा रही महिला का चोरी -छिपे वीडियो बनाने वाले आरोपी पर हुई कार्रवाई

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 11 में एक विवाहित महिला का नहाते समय चोरी-छिपे वीडियो बनाने का आरोप पड़ोस के युवक पर लगा है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, वार्ड 11 पुरानी बस्ती निवासी एक विवाहिता जब अपने घर में स्नान कर रही थी, तब पड़ोस के युवक जैबद हसन उर्फउबेद खान, 35 वर्ष द्वारा दीवार/खिड़की से ताक-झांक कर नहाती हुई। महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का प्रयास किया गया। महिला की नजर आरोपी पर पड़ते ही उसने शोर मचाया और विरोध जताया। इसके बाद पीड़िता ने परिवर्जन के साथ कटघोरा थाना पहुँचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। कटघोरा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी उबेद हसन (35 वर्ष) के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। उसे कार्यपालक दंडाधिकारी (तहसीलदार न्यायालय कटघोरा) के समक्ष पेश किया, जहाँ से मुचलका पर जमानत दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर बीएनएस की धारा 77 (ताक-झांक/निजता भंग करना) और आईटी एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण की विवेचना की जा रही है। मोबाइल फोन जब्त कर डिजिटल जांच की जाएगी।

ज्वेलर्स दुकान में सेंधमारी का खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार; 14.51 लाख का माल बरामद

रायपुर। रायपुर के गुडियारी थाना क्षेत्र के रामनगर स्थित रत्न लक्ष्मी विनायक ज्वेलर्स में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी फ्राइम एंड साइबर युनिट और रामनगर पुलिस चौकी को संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले का मास्टरमाइंड विशाल सचदेव बताया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पहले ज्वेलर्स दुकान की रेकी की। 26–27 सितंबर को रात दुकान की दीवार में आधा छेद किया और 29-30 सितंबर की रात दीवारा पहुँचकर छेद को बड़ा कर दुकान के अंदर प्रवेश किया। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और मुखबि्र की सूचना के आधार पर पुलिस ने विशाल सचदेव और सूरज दीमर को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर करीब 14 लाख 51 हजार 700 रुपये का चोरी का सामान और वारदात में इस्तेमाल स्वीच्ट कार व एक्टिवा बरामद की गई है।

धमतरी पुलिस का चाकूबाजों पर कड़ा प्रहार

धमतरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती पांडेय के निर्देशन में असामाजिक तत्वों एवं चाकूबाजों के विरुद्ध लगातार सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने रतन कॉलोनी में युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों को त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया। दिनांक 02–03 अक्टूबर की दरमियानी रात विवाद के दौरान आरोपियों ने प्रार्थी चंद्रेश्वर ध्रुव पिता दशरथ सिंह गुरु उम्र 25 वर्ष पता दामिटोला स्कूल चौक महिमा सागर वार्ड धमतरी बीच-बचाव करने पहुंचे उसके साथी पर चाकू से हमला किया, जिससे दोनों को चोटें आईं। जिसकी रिपोर्ट पर तत्काल अपराध दर्ज कर पुलिस ने साहिल मसीह, सभी निवासी रतन कॉलोनी, धमतरी को गिरफ्तार किया।

खाली बोटलों से भरी बोरियों के नीचे छिपाकर ओड़िशा से यूपी ले जा रहा था तस्कर

श्रीकंचनपथ न्युज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गांजा तस्करी मामले में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की गई है। जिले के तपकरा थाना क्षेत्र में ओड़िशा से यूपी जा रहे एक आयशर ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। ट्रक में बोटलों से भरी बोरिया रखी हुई थी और उसके नीचे गांजा ले जाया जा रहा है। पुलिस ने 6 किंटल से ज्यादा गांजा जब्त किया गया। जब्त गांजा की कीमत 3 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। दो दिन पहले भी तपकरा पुलिस ने लावाकेरा में 440.630 किलो गांजा बरामद किया था।

सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा द्वारा रेंज के सभी जिलों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम एवं तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर राकेश कुमार पाटनवार के मार्गदर्शन तथा डीएसपी शुभम तिवारी व एसडीओपी कुनकुरी विनोद कुमार मंडावी के पर्यवेक्षण में जशपुर पुलिस द्वारा नशे के कारोबारियों के विरुद्ध लगातार



प्रभावी कार्रवाई की गई है।

पुलिस द्वारा जिले में अपने मुखबि्र तंत्र को और अधिक सक्रिय करते हुए उड़ीसा सीमा से जिले में प्रवेश करने वाले संदिग्ध वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में रविवार की सुबह करीब 10.00 बजे लावाकेरा पुलिस चेकिंग बैरियर पर एंटी नारकोटिक्स टीम एवं थाना तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पुलिस टोपिस्ट पुलिस अधीक्षक जशपुर राकेश की चेकिंग की जा रही थी।

इसी दौरान उड़ीसा की ओर से आ रहे टाटा आईसर ट्रक क्रमांक क़-47७ञ-9839, 02 के आधार पर रोककर जांच की गई। पुलिस को

चकमा देने के उद्देश्य से तस्करो द्वारा ट्रक में ऊपर की ओर खाली बोटल की शीशियों से भरी बोरियां रखी गई थीं।

पुलिस टीम द्वारा इन बोरियों को हटाकर नीचे रखी बोरियों की जांच की गई, तो उनमें टेप से लिपटे पैकेट मिले। पैकेटों को खोलकर जांच करने पर उनमें अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया। पुलिस टीम द्वारा मौके पर गवाहों की उपस्थिति में जांच करने पर कुल 20 बोरियों में 597 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 06 किंटल 32 किलो 380 ग्राम (632.380 किलो) पाया गया। ट्रक में बैठे जिला बहराईच (उत्तर प्रदेश) निवासी विनोद

दुर्ग में नकली सोना गिरवी रख कारोबारी से ढगी, 8.25 लाख रुपए लिए, युवती सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्युज

भिलाई। दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र में सराफ़ कारोबारी के पास नकली सोने के जेवर गिरवी रख 8.25 लाख रुपए की ढगी का मामला सामने आया है। इस मामले में कारोबारी की शिकायत के बाद पुलिस ने एक युवती सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 4 मोबाइल फ़ोन एवं प्रकरण से संबंधित नकली सोने के जेवरत जब्त किया गया। तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

इस मामले में रविवार को प्रार्थी पवन कुमार जैन भोंई धारा दुर्ग निवासी द्वारा थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि 28 सितंबर 2026 एवं 30 सितंबर 2026 को एक महिला एवं एक



पुरुष 84.880 ग्राम सोने के जेवर गिरवी रखकर कुल 8,25,000 लेकर गए। शुरुआत में तो पता नहीं चला लेकिन बाद में उक्त जेवर के नकली होने की पुष्टि हुई। सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस ने इस मामले में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पतासाजी कर त्वरित

कार्रवाई करते हुए शिवानंद नगर रायपुर निवासी रमेश कुमार एवं कादम्बरी नगर दुर्ग निवासी मोनाक्षी बाघ को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ की गई। पुछताछ में दोनों द्वारा घटना में संलिप्तता स्वीकार किए जाने पर विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के मेमोरेण्डम कथन के आधार पर नकली सोने के जेवरत उपलब्ध कराने वाले कबीर नगर रायपुर

निवासी राजेश अग्रवाल की पतासाजी कर उसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ की गई। प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर उसे भी विधिवत गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना सिटी कोतवाली दुर्ग एवं एसीसीयू टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण में त्वरित विवेचना, आरोपियों की पतासाजी, पुछताछ एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सोने अथवा अन्य कीमती आभूषणों की खरीदी-बिक्री या गिरवी रखने से पूर्व उनकी शुद्धता एवं वास्तविकता की विधिवत जांच अवश्य कराएँ। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा धोखाधड़ी की जानकारी तत्काल निकटतम थाना या पुलिस को दें।

कुसमुंडा खदान में आमने-सामने टकराए टेलर एक चालक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

श्रीकंचनपथ न्युज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सबसे बड़ी कुसमुंडा खदान में बड़ा हादसा हो गया है। खदान के अंदर दो भारी ट्रेलर वाहनों में आमने-सामने जबरदस्त टकरा हो गई।

इस हादसे में एक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद प्रकरण में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। मिली जानकारी के अनुसार, कुसमुंडा माइंस में कोयला परिवहन का काम नीलकंठ कंपनी को मिला है, जिसने पीकेएस कंपनी को पेटी ठेके पर काम दे रखा है।

शनिवार दोपहर दोनों कंपनियों के ट्रेलर वाहन खदान में कोयला परिवहन कर रहे थे। इसी दौरान दोनों ट्रेलर आपस में भिड़ गए।

टकरा इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रेलर का चालक केबिन में ही फंस गया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने काफी मशकत के बाद रेस्क्यू कर चालक को केबिन से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतक चालक की पहचान विश्व प्रसाद बिंदू के रूप में हुई है, जो रेलिया गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। वह पिछले कई महीनों से कंपनी में चालक के रूप में काम कर रहा था। वहीं, दूसरे वाहन का चालक गंभीर रूप से घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद खदान में बड़ी संख्या में कर्मचारी और ग्रामीण एकत्रित हो गए। लोगों ने कंपनी प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान काफी देर तक हंगामा चलता रहा।

रायपुर में कारोबारी अपहरण कांड का 12 घंटे में खुलासा, यूपी से 3 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र से ट्रांसपोर्ट कारोबारी प्रतीक राय के अपहरण के मामले का पुलिस ने करीब 12 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी सर्विलांस, वाहन की ट्रैकिंग और टोल प्लाजा की जानकारी के आधार पर अपहरण में इस्तेमाल काले रंग की स्कॉर्पियो को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के अहरोरा त्रेक ट्रेस किया।

यूपी पुलिस के सहयोग से वाहन को रोककर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया। बाद की जानकारी के मुताबिक प्रतीक राय को भी सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 2 अक्टूबर को दोपहर करीब



2:28 बजे की है। रांवाभाटा स्थित डीएस टावर निवासी प्रतीक राय दोपहर के समय अपने फ्लैट पहुंचे थे। इसी दौरान काले रंग की यूपी पासिंग स्कॉर्पियो वहां पहुंची।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया कि स्कॉर्पियो में सवार तीन लोगों ने प्रतीक राय को कथित तौर पर जबरन अपने साथ

वाहन में बैठाया और वहां से रवाना हो गए। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया।

प्रतीक राय के घर वापस नहीं लौटने पर उनकी पत्नी अनिता राय ने 2 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे खमतराई पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के

दिखाई दिए। सादी वर्दी में मौजूद थाना प्रभारी ने उन्हें रुकने के लिए आवाज दी। पुलिस को पहचानते ही नशरूल भागने लगा। थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने आरोपी का पीछा किया और काफी दूर तक दौड़ने के बाद उसे पकड़ लिया।

बालिका को भी सुरक्षित बरामद कर दोनों को थाने लाया गया। महिला पुलिस अधिकारी ने बालिका से पुछताछ की। उसने बताया कि गांव में काम करने आए नशरूल से उसका परिचय हुआ था। आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे अपने साथ ले गया।

बालिका का आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया और उसे परिजनों को सौंप दिया गया। पुछताछ और जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 87, 65(1) BNS और 4, 6 पाँक्सो एक्ट जोड़ा। पुलिस ने आरोपी नशरूल आलम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।



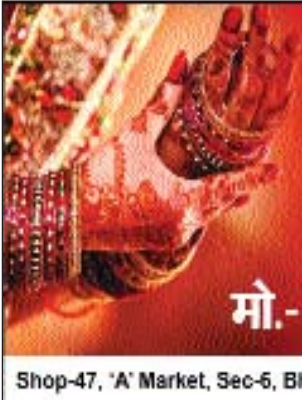
Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Akash Gangra,
Supela, Bhilai

Helllo:- 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329



मिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)



भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास-खबर



ग्राम झिटकी में तेंदुए का सफल रेस्क्यू, सतर्क रहें

महासमुंद। वनमंत्री केदार कश्यप, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण पांडे तथा पीसीसीएफ (वन्यजीव) ओपी यादव के कुशल निर्देशन एवं मुख्य वन संरक्षक मणिवासण एस. द्वारा झिटकी ग्राम में तेंदुए का सफल रेस्क्यू किया गया। बागबहारा के कोमाखान परीवृत अंतर्गत नरां परिसर के ग्राम झिटकी में रात्रि लगभग 01:00 से 02:00 बजे के मध्य एक वन्यप्राणी तेंदुए द्वारा एक ही परिवार के 6 व्यक्तियों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया था। परिवार के सदस्यों ने तेंदुए को घर के अंदर बंद कर दरवाजा बंद कर दिया था। वन विभाग की टीम रात्रि से ही घटनास्थल पर पहुंची तथा घायलों को जिला चिकित्सालय महासमुंद भेजा। गंभीर रूप से घायल उत्तरी बाई, सुनीता यादव एवं मनीष यादव को रायपुर रेफर किया गया। रेस्क्यू टीम द्वारा घर में बंद तेंदुए का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया।

बिहान से श्याम बाई के लिए संभव हुआ कारोबार बढ़ाना

कोरबा। विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा की जय बजरंग महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती श्याम बाई महंत ने बिहान योजना के अंतर्गत 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त कर किराना दुकान शुरू की। श्रीमती श्याम बाई बताती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपनी आजीविका शुरू करने का अवसर मिला। अब दुकान से होने वाली आमदनी उनके परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है। श्रीमती महंत बताती हैं कि कारोबार शुरू होने के बाद आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। दुकान चलाने से मुझे नियमित रूप से आमदनी मिल रही है। परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में मदद मिल रही है।

हर दिन नया शब्द, हर दिन नई सीख ‘शब्दबीज’ से प्रायमरी के विद्यार्थियों की भाषा को मिलेगी नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों की शब्द संपदा, भाषा कौशल एवं अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा संचालित ‘शब्दबीज’ नवाचार के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के

निर्देशानुसार जिला एवं विकासखंड स्तर पर नोडल नियुक्त किया गया हैं, जो विद्यालयों में नवाचार के क्रियान्वयन, शिक्षकों के मार्गदर्शन और नियमित मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा द्वारा शब्दबीज को विद्यालय स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा इसकी गतिविधियों की नियमित निगरानी के



लिए शिक्षा विभाग के मैदानी अमले को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शब्दबीज का उद्देश्य बच्चों को केवल नए शब्द याद कराना नहीं, बल्कि उन्हें शब्दों से जोड़कर सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने, समझने और दैनिक जीवन में उसका प्रयोग करने की क्षमता विकसित करना है। इसके माध्यम से प्रत्येक बच्चे को प्रतिदिन नए

शब्द से परिचित कराने तथा उसे व्यवहारिक संदर्भ में प्रयोग करने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। जिला प्रशासन की यह पहल प्राथमिक स्तर पर बच्चों की शब्द संपदा, भाषा कौशल, पठन क्षमता और अभिव्यक्ति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के लीडरशिप डिनर में हुए शामिल हुए मुख्यमंत्री बॉटनिकल गार्डन, हरित क्षेत्र और इको टूरिज्म के विकास में मदद करेगी सिंगापुर की कंपनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा नामांकन के उपरांत सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम ‘सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026’ में सहभागिता के लिए सिंगापुर प्रवास पर है।



के साथ ही प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्रों के विस्तार में लिया जा सकता है। इससे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाओं को नया विस्तार मिलेगा, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय शाम को सिंग फोरम की पूर्व संध्या पर सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित लीडरशिप डिनर में शामिल हुए। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिष्यक अबुले, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन मार्क ली और सीईओ कोक पिंग सून उपस्थित थे।

लीडरशिप डिनर में सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के सदस्यों के साथ मास्टरकार्ड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नेस्ले और द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधि तथा छत्तीसगढ़ के 7 सदस्यीय और हरियाणा के 26 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी सहभागिता की। यह आयोजन भारतीय राज्यों और सिंगापुर के व्यावसायिक समुदाय के बीच निवेश, व्यापार और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी को लेकर संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 5 अक्टूबर को सिंग फोरम 2026 में सहभागिता करेंगे। इसके पश्चात 6 अक्टूबर को सिंगापुर की प्रमुख कंपनियों और निवेश संस्थानों के शीर्ष नेतृत्व के साथ आयोजित सीईओ राउंडटेबल में छत्तीसगढ़ की निवेश संभावनाओं और आर्थिक साझेदारी के अवसरों पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही प्रशस्त होता है जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग : राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका रोल- बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित ‘रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026’ में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।



विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जो हो गया, उसे पीछे छोड़कर और भविष्य की अनावश्यक चिंता किए बिना वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारे जीवन की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार हमें कठिन परिश्रम करने और

की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है। तकनीक का विकास निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए।

राज्यपाल श्री डेका ने युवाओं से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ करें। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, भ्रामक सामग्री और डीपफेक जैसी चुनौतियों से स्वयं को और समाज को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीन बुद्धिमान हो सकती है, लेकिन मानवता मनुष्य के भीतर ही रहती है। तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती।

मत्स्य पालन से बढ़ी महिलाओं की आमदनी

कोरबा। कोरबा विकासखंड के ग्राम तिलकेजा, तहसील भैसमा की जय मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की महिलाएं मछली पालन के माध्यम से आजीविका मजबूत कर रही हैं। समूह ने पंचायत स्तरीय शिविर में मत्स्य पालन विभाग को आवेदन प्रस्तुत किया था। इसके बाद विभाग की ओर से समूह को मछली पकड़ने के लिए जाल और मछलियों को सुरक्षित रखने के लिए आइस बॉक्स उपलब्ध कराया गया। समूह की तालाब लीज पर लेकर मछली पालन शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं थे। मछली पकड़ने के बाद उसे सुरक्षित रखने और बाजार तक पहुंचाने में भी परेशानी आती थी। आइस बॉक्स नहीं होने से मछलियों को ताजा रखना कठिन होता था और बिक्री प्रभावित होती थी। जाल और आइस बॉक्स मिलने से अब मछलियों को पकड़ने, सुरक्षित रखने और बाजार तक पहुंचाने में सुविधा हुई है। मछली पालन और बिक्री से समूह की महिलाओं को नियमित आमदनी होने लगी है। परिवार की स्थिति में सुधार हुआ है।

दिव्यांग विद्यालय के औचक निरीक्षण में किया बच्चों से सीधा संवाद

नेत्रहीन बच्चों की प्रतिभा देखकर भावुक हुए नेताम, की मदद की घोषणा



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गांधी जयंती के अवसर पर ‘सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम मनेन्द्रगढ़ स्थित एमसीबी जिला नेत्रहीन, विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय पहुंचे। मंत्री ने यहां औचक निरीक्षण कर बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, ब्रेल शिक्षा सहित विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

कारने की है। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा के साथ आत्मविश्वास भी है। समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उनकी क्षमताओं को पहचानें और उन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर दें। बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी प्रतिभा देखना उनके लिए भावुक और यादगार अनुभव रहा।

विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर मंत्री नेताम भावुक नजर आए। बच्चों ने स्वागत गीत और संगीत के साथ रामायण पाठ व सुंदरकांड की चौपाइयां प्रस्तुत कीं। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न जीव-जंतुओं की आवाजें निकालकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों में दिखे आत्मविश्वास और सीखने की ललक की मंत्री ने जमकर सराहना की।

बच्चों से संवाद करते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से साबित कर दिया है कि वे किसी से पीछे नहीं हैं। बच्चों में संगीत, गायन और सांस्कृतिक गतिविधियों की शानदार उचित है। जरूरत सिर्फ उन्हें उचित अवसर और बड़ा मंच उपलब्ध

बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शौचालय, पेयजल, बिस्तर सहित बच्चों की अन्य जरूरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही संस्था की आवश्यकता के अनुरूप संसाधनों और व्यवस्थाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ‘सशक्त एमसीबी-सेवा संकल्प अभियान’ केवल सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचाने और उन्हें सम्मानपूर्वक बेहतर जीवन के अवसर देने का संकल्प है। दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना इसी सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एक लाख रुपये की सहायता की घोषणा

विद्यालय की व्यवस्थाओं और आ रही आर्थिक कठिनाइयों और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी मंत्री को दी। उन्होंने शिक्षकों के वेतन में वृद्धि तथा बच्चों के भरण-पोषण के लिए मिलने वाली राशि बढ़ाने का आग्रह किया। प्राचार्य ने बताया कि वर्तमान में बच्चों के भरण-पोषण के लिए 600 रुपये की राशि प्राप्त होती है, जिससे संस्था की व्यवस्थाएं संचालित करने में कठिनाई आती है।

मंत्री नेताम ने विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर

सिंचाई सुविधा ने बदल दी सैकड़ों किसानों की जिन्दगी

सौर सुजला योजना से संभव हुई एक एकड़ में तीन फसलें

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सौर सुजला योजना के तहत मिली सौर सिंचाई सुविधा ने किसानों के लिए खेती के नए रास्ते खोल दिए हैं। ग्राम पंचायत कदमनारा निवासी 46 वर्षीय आशीष टोप्पो पिता प्रभुदयाल अब एक ही खेत से अलग-अलग मौसम में फसल लेने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आशीष बताते हैं कि सौर सिंचाई सुविधा मिलने के बाद खेत में पानी का बेहतर प्रबंधन संभव हुआ है। इससे वे खेती की गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित कर पा रहे हैं और वर्तमान में एक एकड़ भूमि पर साल में करीब तीन फसलें लेने का प्रयास कर रहे हैं।



को योजना बना पा रहे हैं। उनके मुताबिक, पहले खेती में पानी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण चुनौती थी। सौर सिंचाई सुविधा ने इस चुनौती को काफी हद तक आसान किया है। अब वे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए खेती

को अधिक व्यवस्थित बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आशीष टोप्पो के अनुसार खेती से उन्हें हर साल लगभग एक लाख रुपये की आमदनी प्राप्त होती है। उनका कहना है कि सिंचाई की सुविधा बेहतर होने से फसलों की

सिंचाई की सुविधा बेहतर होने से फसलों की